जैन विश्वविद्यालय, बंगलुरु,
हिंदी विभाग

तथा

साहित्यिक सांस्कृतिक शोध संस्था, मुंबई

के संयुक्त तत्वावधान में

"भूमंडलीकरण के दौर में भारतीय भाषाओं की भूमिका"

विषय पर आयोजित द्विदिवसीय अंतरानुशासनीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आपका हार्दिक स्वागत है।

दिनांक : २७ मार्च २०१५ – २८ मार्च २०१५

स्थान : सभागार, जैन विश्वविद्यालय, बंगलुरु

अध्यक्ष :– प्रो. एन.सुंदर राजन, कुलगुरू, जैन विश्वविद्यालय, बंगलुरु
प्रमुख अतिथि :– डॉ.अलका धनपत, भारतीय भाषा विभाग, महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस
बीज वक्तव्य :– डॉ. शीतला प्रसाद दुबे, अध्यक्ष हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई
प्रमुख वक्ता :– डॉ. ओम प्रकाश गुप्ता, पूर्व विभागाध्यक्ष शिक्षाशास्त्र, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू,नेपाल
विशेष वक्ता :– डॉ. भरत सिंह, मगही विभागाध्यक्ष, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया
स्वागताध्यक्ष :– डॉ. विनय कुमार, हिंदी विभागाध्यक्ष, गया कॉलेज, गया
परिचय :– डॉ. मैथिली पी. राव, डीन, जैन विश्वविद्यालय, बंगलुरु
मेजबान वक्ता :– डॉ.प्रदीप कुमार सिंह, सचिव, साहित्यिक–सांस्कृतिक शोध संस्था, मुंबई
प्रसिद्ध कवि :– श्री. आशीष कंधवे, संपादक, आधुनिक साहित्य, दिल्ली
संयोजक :– डॉ. रेखा सिन्हा, हिंदी विभाग, जैन विश्वविद्यालय, बंगलुरु

१. दक्षिणी राज्यों में रामकथा
२. भूमंडलीकरण करण के दौर में कन्नड, तेलुगु, मलयालम, तमिल भाषाओं की भूमिका
३. भूमंडलीकरण के दौर में हिन्दी, अंग्रेजी एवं अन्य भारतीय भाषाओं की भूमिका

संगोष्ठी का प्रारूप

दिनांक २७ मार्च २०१५

दोपहर	१२:०० बजे	पंजीकरण
	०३:००–०५:०० बजे	उद्घाटन

दिनांक २८ मार्च २०१५

सुबह	०९:००–११:०० बजे	दक्षिणी राज्यों में रामकथा
	११:००–०१:३० बजे	समानांतर सत्र
दोपहर	०१:३०–०२:३० बजे	भोजन
	०२:३०–०४:०० बजे	समापन सत्र एवं प्रमाणपत्र वितरण

आयोजन समिति सदस्य

१. डॉ. भगवती प्रसाद उपाध्याय – ७७३८५४६५९८
२. श्री.सतिश कनौजिया – ९७६४०११७९०
३. डॉ. रेखा सिन्हा – ९८८०२१२६४५

ई–मेल :

१. bhagwatiprasadupadhyay@ymail.com
२. ssrimumbai@gmail.com
३. dr.singhpradeepkumar@gmail.com

नोट :– संगोष्ठी के पश्चात् आलेखों को ISBN NO पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जाएगा।